प्रॉडक्शन गिरने की खबर पर 10% तक उछले शुगर स्टॉक्स

- आपूर्ति में कमी आने के चलते दाम में तेजी आने पर शुगर फर्मों के प्रॉफिट में बढ़ोतरी हो सकती है
- चीनी के उत्पादन में सालाना आधार पर कमी आने की सबसे बड़ी वजह महाराष्ट्र में चीनी के उत्पादन में सालाना आधार पर आई 63% की तेज गिरावट है
- एनालिस्टों का अनुमान है कि इसका सबसे बड़ा फायदा बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, EID पैरी, द्वारिकेश शुगर जैसी कंपनियों को हो सकता है

[ईटी ब्यूरो | मुंबई]

चीनी के उत्पादन में गिरावट आने की वजह से शुगर कंपनियों के शेयरों में सोमवार को 3 से 10 पर्सेंट तक की उछाल आई। आपूर्ति में कमी आने के चलते दाम में तेजी आने पर शुगर कंपनियों के प्रॉफिट में बढ़ोतरी हो सकती है। एनालिस्टों का कहना है कि इसका सबसे बड़ा फायदा बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, EID पैरी, द्वारिकेश शुगर जैसी कंपनियों को हो सकता है।

IIFL सिक्योरिटीज के डायरेक्टर संजीव भसीन ने कहा, 'शुगर और सॉफ्ट कमोडिटीज के लिए स्थितियां शानदार हैं क्योंकि चीनी के दाम दुनियाभर में बढ़ रहे हैं। चीनी के उत्पादन में गिरावट आने के चलते आपूर्ति पर बने दबाव से कुछ बड़ी शुगर कंपनियों के शेयरों में तेजी जारी रह सकती है।' 31 दिसंबर को चीनी का उत्पादन सालाना आधार पर 30 पर्सेंट कम रहा था।

चीनी के उत्पादन में सालाना आधार पर कमी आने की सबसे बड़ी वजह महाराष्ट्र में चीनी के उत्पादन में सालाना आधार पर आई 63 पर्सेंट की तेज गिरावट है। इसके अलावा कर्नाटक के उत्पादन में सालाना आधार पर 22 पर्सेंट की गिरावट आई जबकि उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन सालाना आधार पर 7 पर्सेंट ज्यादा रहा।

एलारा कैपिटल के एनालिस्ट प्रतीक ठोलिया ने कहा, 'घरेलू और विदेशी बाजारों में चीनी का दाम चढ़ा हुआ है। इसलिए इस सेक्टर को लेकर हमारा पॉजिटिव रुख बना हुआ है। हमारे टॉप पिक्स में बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर और द्वारिकेश शुगर शामिल हैं।' बन्नारी अम्मन शुगर्स, डालमिया भारत शुगर, उत्तम शुगर मिल्स और द्वारिकेश शुगर इंडस के शेयरों में इस साल अब तक 10 पर्सेंट से ज्यादा की मजबूती आई है।

जेएम फाइनेंशियल्स के एनालिस्ट अचल लोहाड़े ने कहा, 'बलरामपुर चीनी हमारा पसंदीदा शुगर स्टॉक है क्योंकि यह इंडियन शुगर इंडस्ट्री की बेस्ट कंपनियों में एक है। इसका ऑपरेशन इंटिग्रेटेड है, बैलेंसशीट स्ट्रॉन्ग है और अच्छा कैश फ्लो जेनरेट कर रही है। लेकिन सभी पॉजिटिव इवेंट्स का असर इसके शेयरों में कमोबेश पहले ही दिख चुका है। हमने EID पैरी के लिए बाय रेटिंग बनाए रखी है और इसके लिए मार्च 2021 का टारगेट प्राइस 280 रुपये तय किया है। मौजूदा भाव के हिसाब से कोरोमंडल में इसकी होल्डिंग को 80 पर्सेंट डिस्काउंट का वैल्यूएशन मिल रहा है।'

चीनी के उत्पादन में बड़ी गिरावट आने के बावजूद एनालिस्टों को लग रहा है कि देश में चीनी का दाम स्थिर रह सकता है। दरअसल देश में इसका बड़ा भंडार है और इसकी शॉर्टेज होने के आसार नहीं हैं।

शॉर्टेज के आसार नहीं

- चीनी के उत्पादन में बड़ी गिरावट आने के बावजूद एनालिस्टों को लग रहा है कि देश में चीनी का दाम स्थिर रह सकता है
- देश में चीनी का बड़ा भंडार है और इस कारण इसकी शॉर्टेज होने के आसार नहीं हैं

Economic Times
14/01/20